Hindi Murli Quiz 10-05-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **"कुमार तो डबल निर्बन्धन हैं कोई पूँछ नहीं है। कुमारों का आपस में ग्रुप होना चाहिए। कभी कोई बीमार पड़े तो एक-दूसरे की मदद कर सेवा करें। अपने हाथ से भोजन बनाना बहुत अच्छा है। अपने लिए और बाप के लिए प्यार से बनाओ। पहले बाप को खिलाओ। अपने को अकेला समझते हो तो थक जाते हो। सदा यह समझो कि हम दो हैं, दूसरे के लिए बनाना है तो विधिपूर्वक प्यार से बनाओ।"**

A. True
B. False

Q.2) **केवल सही वाक्य चयन करें –**

A. अनुभवी को कोई हिलाना भी चाहे तो हिला नहीं सकता। अनुभव का फाउन्डेशन मजबूत होता है ।
B. अनुभव के आगे माया की कोई भी कोशिश सफल नहीं होगी। अनुभवी कभी धोखा नहीं खाते।
C. ब्रह्माकुमार अर्थात् ट्रस्टी। चाहे प्रवृत्ति में हो लेकिन हो ब्रह्माकुमार न कि प्रवृत्ति कुमार।
D. जितना अनुभवी होंगे उतना अविनाशी और निर्विघ्न होंगे। हर गुण में अनुभवी मूर्त बनो।
E. ब्रह्माकुमार के बजाए कोई और सम्बन्ध समझा तो माया आयेगी इसलिए अपना अलौकिक स्रनेम सदा याद रखो।
F. जितना ज्ञान की गहराई में जायेंगे उतना अनुभव के रत्न मिलेंगे और आपके अनुभव को देख और भी अनुभवी बन जायेंगे।
G. पहली स्टेज है ज्ञान सुनना और सुनाना, दूसरा और लास्ट स्टेज है अनुभवी मूर्त बनना।

Q.3) **"चाहे नम्बरवार पुरूषार्था हैं फिर भी लास्ट बच्चा भी दुनिया के आगे गायन योग्य और पूज्यनीय है। इसलिए बाप-दादा को ------ ------की माला के लास्ट दाने पर भी नाज है।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. विष्णु
B. 16 हजार
C. रूद्र
D. 108

Q.4) **"न्यारापन अर्थात् ट्रस्टीपन। ट्रस्टी की किसी में अटैचमेंट नहीं होती क्योंकि मेरापन नहीं होता। गृहस्थी समझेंगे तो माया आयेगी। ट्रस्टी समझेंगे तो माया भाग जायेगी। जैसे गन्दगी में कीड़े पैदा होते हैं वैसे ही जब मेरापन आता है तो माया का जन्म होता है। तो मायाजीत बनने का सहज तरीका - सदा ट्रस्टी समझो।"**

A. True
B. False

Q.5) **कुमारों के विषय पर बापदादा द्वारा कहे महावाक्य चयन करें –**

A. कुमार तो हैं ही सदा आलराउन्ड सेवाधारी - मन्सा-वाचा-कर्मणा सब में सेवाधारी।
B. किसी भी बात में क्यों- क्या वह करते हैं जो मास्टर त्रिकालदर्शी नहीं होते ।
C. कुमार आपस में रीस नहीं लेकिन रेस करो।
D. अगर जरा भी कमजोरी के संस्कार होंगे तो माया अपना बना लेगी इसलिए पुराने संस्कारों से मरजीवा बनो ।
E. वह करते हैं डिस्ट्रक्शन, और आप करेंगे कनस्ट्रक्शन। आप स्थापना करेंगे तो विनाश आपे ही हो जायेगा।
F. कुमार ज्वाला रूप बनकर ज्वाला जगाओ तो जल्दी विनाश हो जायेगा।

Q.6) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार जोड़ें ---**

	Choice	Match
A	आधाकल्प आप दर्शन करने जाते रहे,	अभी बाप परमधाम से आते हैं आपके दर्शन अर्थात मिलने के लिए।
B	अधर कुमार अर्थात् बेहद की प्रवृत्ति में सदा सेवाधारी,	और हद की प्रवृत्ति में न्यारे।
C	विघ्न-विनाशक स्टेज है -	सदा बाप-समान मास्टर सर्वशक्तिमान की स्थिति में रहना।
D	अगर सदा मास्टर सर्वशक्तिमान की स्थिति में नहीं रहते,	तो कभी विघ्न-वश कभी विघ्न-विनाशक।
E	न्यारे होकर फिर प्रवृत्ति के कार्य में आओ,	तो सदा मायाप्रूफ अर्थात् न्यारे अर्थात सदा प्रभु के प्यारे रहेंगे।

Q.7) **"कोई भी संकल्प या विचार करते हो तो पहले चेक करो कि यह विचार व संकल्प बाप पसन्द है? जो बाप पसन्द है वह लोक पसन्द स्वत:बन जाते हैं। यदि किसी भी संकल्प में स्वार्थ है तो मन पसन्द कहेंगे और विश्व कल्याणार्थ है तो लोकपसन्द व प्रभु पसन्द कहेंगे। लोक पसन्द सभा के मेम्बर बनना अर्थात् ला एण्ड आर्डर का राज्य अधिकार व राज्य सिंहासन प्राप्त कर लेना।"**

A. ○ False

B. ◉ True

Q.8) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ---**

	Choice	Match
A	शुद्ध संकल्प का स्टॉक हो तो व्यर्थ खत्म हो जायेगा।	व्यर्थ संकल्प चलना अर्थात् मनन शक्ति की कमी है।
B	अपने आपको रोज कोई-न-कोई टॉपिक सोचने को दो,	फिर व्यर्थ संकल्प समाप्त हो जायेंगे।
C	जब भी कोई व्यर्थ संकल्प आये तो बुद्धि से मधुबन पहुँच जाना।	वहाँ का वातावरण, श्रेष्ठ संग याद करेंगे तो भी व्यर्थ खत्म हो जायेगा।
D	अपने को सदा पदमापदम भाग्यशाली आत्मा समझकर हर कर्म करो,	तो हर कर्म श्रेष्ठ होगा।
E	जो भी सम्पर्क में आये उन्हें बाप का परिचय देते रहो।	बीज डालते जाओ। अविनाशी बीज है, फल अवश्य देगा।

Q.9) **मुरली के अनुसार स्वमान में स्थित आत्मा के लक्षणों का चयन करें –**

A. ☑ स्वमानधारी को देह-अभिमान कभी आ नहीं सकता।

B. ☑ स्वमान वाला सभी को मान देगा, मान देकर ऊपर उठायेगा।

C. ☑ स्वमानधारी पुण्य आत्मा हैं अर्थात गिरे हुए को उठाना, परवश को भी स्वतन्त्र बनाना।

D. ☑ वह सदा निर्माण होता है। जितना बड़ा स्वमान, उतना ही `हाँ जी' में निर्माण।.

E. ☑ कभी किसी भी आत्मा के प्रति संकल्प मात्र भी रोब में नहीं आयेंगे।

F. ☑ स्वमान वाला सबको मान देने वाला दाता होता है।

G. ☑ स्वयं सम्पन्न होने के कारण सदा दाता अथवा रहमदिल होंगे।

Q.10) **शब्दों /वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें --**

	Choice	Match
A	एक बेहद के बाप के इतने बच्चे ऐसे योग्य बने हैं।	कि भक्त लोग अभी तक भी उनके दर्शन के प्यासे हैं।
B	बच्चे पूज्यनीय और गायन योग्य बने,	क्योंकि पारसनाथ बाप के संग में लोहे से पारस बन गये।
C	प्रकृति भी आपका इन्तजार कर रही है,	दासी बन सेवा करने के लिए।
D	अगर सिर्फ कुमार रहेंगे तो माया आयेगी।	ब्रह्माकुमार रहेंगे तो माया भाग जायेगी।
E	कुमार सब रीति से निर्बन्धन हैं।	लौकिक जिम्मेवारी से भी निर्बन्धन और माया के बन्धनों से भी निर्बन्धन।